देश की धीमी पड़ती अर्थ्यव्यावस्था के मददेनजर दिनांक 01/02/2017, को वित् मंत्री अरुण जेटली ने जब आम बजट पेश किया तो इसकी प्रतीक्षा सभी को थी और बजट के आते ही इससे जुड़े हर पहलु पर विचार विमर्श कर रहे हैं . बजट की महत्वता को ध्यान में रखते हुए, प्रबंध शास्त्र संस्थान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने सोमवार दिनांक 27/02/2017 को “बजट 2017” नामक कार्यशाला का उद्घाटन दीप प्रज्वल 03 बजे हुआ.

प्रोफ राज कुमार , □ायरेक्टर, प्रबंध शास्त्र संस्थान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने जमुना शुक्ला जो की इस कार्यशाला की मुख्य अथिथि थी, उनका स्वागत करते हुए, द□िक जीवन के उधारण के द्वारा बजट के महत्वता का वर्णन किया, उन्होंने कहा की बजट का अर्थ हैं व्यापार व्यवस्था, आर्थिक प्रणाली, व देश की अर्थव्यवस्था में धन का प्रवाह तथा बजट को सही मायने में समझने के लिए इसका ज्ञान होना अत्यंत ही आवश्यक हैं. प्रोफ कुमार ने यह बी बताया की ये पहली बार ऐसा हुआ हैं जब रेल बजट को आम बजट क साथ जोड़ कर ०१ फरवरी २०१७ को पेश किया गया. इसके अलवा इस बार कृषि और ग्रामीण विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित किया ह□ प्रोफेसर कुमार ने विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं की आबादी जो पिछले कई वर्षों में उपेक्षा की गई ह□के बारे में चर्चा की। उन्होंने पर्यावरण और मानव मूल्य जो की भारतीय अर्थव्यवस्था के आज के समकालीन युग में बहुत महत्वपूर्ण पहलू रखते हैं, पर प्रकाश □ाला.

इसके बाद तकनीकी सत्र में, प्रबंध शास्त्र संस्थान के छात्र, अनूप, सोनाक्षी, शिव, निधि, और पप्रियम, अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर बजट का निहितार्थ पर प्रस्तुतियों प्रस्तुत किया.

इस सत्र में हमारे अतिथि सुश्री जमुना शुक्ला ने बजट और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव के बारे में चर्चा की. सुश्री जमुना शुक्ला ने यह बी बताया की स्टार्ट-अप कंपनियों तथा युवाओ के विकास याजनाओं पर इस बार बजट में ज्यादा ध्यान केन्द्रित किया गया हैं. विभिन्य याजनाये जैसे प्रधान मंत्री कौशल केंद्र तथा अन्य याजनाये, भारत क दुनिया की कौशल राजधानी बनाया जा सके।

इसके अलावा सुश्री शुक्ला से भी यह बी बताया की अब आप के किसी भी बड़ी नगदी लेनदेन में बैंक की भागीदारी हामी चाहिए क्याकि की अब बड़ी राशी की लेनदेन पर सरकार नगद की जगह डिजिटल माध्यम से लेनदेन पर ज्यादा फाक्रस कर रही हैं. अत कह सकते हैं की इस बजट का फाक्रस देश में डिजिटल माध्यम से लेनदेन क बढ़ावा देना हैं.

अंत में प्र रेखा प्रसाद ने मुख्य अथिति का ध्यन्यवाद ज्ञापन कर इस कार्यशाला केंद्रीय बजट 2017 क पूण किया. डॉ अनिंदिता चक्रवर्ती और डॉ शशि श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्राफ़ेसर, आईएम बीएचयू भी इस कार्यशल क पूण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

The workshop on “Union Budget 2017” was organized by Institute of Management Studies, Banaras Hindu University (IM-BHU) on 27th February, 2017. The inaugural function began with garlanding the bust of Mahamana Pt. Madan Mohan Malviya and lighting of ceremonial lamp by chief guest.

Director, Dean and Head of Institute of Management Studies, Banaras Hindu University, **Prof. Raj Kumar** welcomed the guests **Ms Jamuna Shukla** CA Varanasi, and enlightened upon the importance of Budget and defined budget as flowing of money and funds in industrial system, business and economy. He praised the guest Ms Jamuna Shukla as a first lady CA in Varanasi, with simplicity, deep knowledge and understanding. He discussed about the budget that this is first time in the history of Indian economy rail budget has been clubbed with union budget and was presented on 01 February 2017. Apart from this, this time budget has much more focused on Agriculture and rural development as it is need of this hour. Prof Kumar discussed about demographic profile, especially women population which has been neglected in last many years. He also focused on environment and human value which should be taken into consideration, which is very important aspect in today’s contemporary era of Indian economy.

Thereafter, in technical session, students from IM, Anup, Sonakshi, Shiv, Nidhi and Priyam gave presentations on the implication of Budget on various sectors of the economy.

This session moved further with our guest Ms Jamuna Shukla on budget discussion and its impact on Indian economy. She focused her discussion on start-up companies and this time budget also have greater focus on youth development, schemes like Pradhan Mantri Kaushal Kendras (PMKK), Skill Acquisition and Knowledge Awareness for Livelihood Promotion programme (SANKALP), Skill Strengthening for Industrial Value Enhancement (STRIVE), which are carried out to achieve the objective of making india skill capital of the world. Youth coming up with their Innovative ideas are key to any start-up, which are first accepted by DIBP and according to industrial arena. Apart from this Ms Shukla also told about cash transaction by any individual, companies or any political parties, which has now several restrictions, more and more cash transaction should be done through banking channel. Hence ultimate focus of this budget is “NO CASH”

This technical session was coordinated by Prof Rekha Prasad Coordinator Knowledge forum. Asst Prof Anindita Chakraborty and Asst Prof Shashi Shrivastav IM BHU also played crucial role in organising this event Union budget 2017.